DON BOSCO ARTS AND SCIENCE COLLEGE
LIBRARY
ANGADIKADAVU

M 11108

Reg. No. : .....

Name : .....

III Semester B.A./B.Sc./B.Com./B.B.A./B.B.A.T.T.M./B.B.M./ B.C.A./B.S.W. Degree (CCSS – Reg./Supple.) Examination, November 2011

COMMON COURSE IN HINDI

3A09HIN : Translation and Communication Skills in Hindi

Time: 3 Hours | Total. Weightage : 25

निर्देश : निम्नलिखित **छ** : प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लिखिए : **(Weightage : 1×5 bunches = 5)**

1. हिन्दी शब्द लिखिए :
   - अ) Apple
   - आ) Insurance
   - इ) $13^1/_2$
   - ई) Bucket

2. शुद्ध कीजिए :
   - अ) उसको पढ सकता है ।
   - आ) राम ने पत्र लिख चुका ।
   - इ) हम देश की सेवा करना चाहिए ।
   - ई) दशरथ की तीन पत्नियाँ थीं ।

3. सही मिलन कीजिए :
   - अ) आँखें चुराना : प्रेम होना
   - आ) नाक काटना : सामने न आना
   - इ) चल बसना : अपमानित करना
   - ई) आँखें चार होना : मरना

P.T.O.

4. प्रस्तुत कहावतों का अर्थ कोष्ठकों से चुनकर लिखिए :

अ) काला अक्षर भैंस बराबर ।

(श्रीकृष्ण, अनपढ, ग्वाल, मुद्रित)

आ) अन्धे की लकडी ।

(लाठी, धीरे धीरे चलना, एकमात्र सहारा, बेटी)

इ) ऊँट के मुँह में जीरा ।

(बहुत थोडा, बहुत अधिक, बीमारी, लालसा)

ई) मैदान मारना ।

(हार जाना, जीत जाना, दुखी होना, भाषण देना)

5. खाली जगहों को प्रत्ययों से भरिए :

भारत सरकार _____ पत्र-कानून जाँच समिति _____ गठन किया । समिति ने 1948 _____ सरकार _____ अपनी रिपोर्ट दे दी ।

6. खाली जगहों को भरिए :

अ) गोपाल _____ किताब पढी ।

आ) आपके _____ बेटे हैं ।

इ) मुझ _____ पाठ पढा नहीं जाता ।

ई) _____ पुस्तक लिखते हो ।

निर्देश : निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **(Weightage : 4×2= 8)**

7. किसी स्थानीय बैंक को आपके नाम से बचत बैंक खाता खोलने का प्रार्थना-पत्र तैयार कीजिए ।

8. अपने किसी मित्र को आपकी पढी पुस्तक का वर्णन करते हुए पत्र लिखिए ।

9. सडकों की दुखस्था की ओर विभागीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक के नाम प्रकाशनार्थ पत्र लिखिए ।

निर्देश : निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए : **(Weightage : 4×1= 4)**

10. ज्ञानपीठ-पुरस्कार विजेता श्री ओ.एन.वी कुरुप्पु जी से संभावित भेंटवार्ता तैयार कीजिए ।

BOSCO ARTS AND SCIENCE COLLEGE
LIBRARY
ANGADIKADAVU

11. अध्यापक और छात्र के बीच का वार्तालाप तैयार कीजिए ।

12. संकेतों के सहारे कहानी लिखिए :

गरमी का मौसम - प्यासा कौआ - बडे बर्तन में थोडा-सा पानी-पीने में असफल-छोटे छोटे पत्थरों को बर्तन में डालना-पानी का बर्तन के ऊपर आना-पानी में कौआ सफल-प्यास का दूर होना - अकलमंदी से जीवन की रक्षा ।

निर्देश : किसी एक अंश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **(Weightage : 4×1= 4)**

13. Darwin planned to record his discoveries in a book. He spent nearly twenty years collecting the matter for his book. At the same time an explorer called Wallace had also arrived at the same conclusion. So the discovery was published under both their names. Afterwards Wallace yielded the leadership to Darwin. Darwin's ideas were attacked by learned and ignorant alike. He was regarded a mad man, a deceiver and an anti Christian.

14. Gone are the days when colleges used to boast of learned teachers. What we want now are learning teachers. A good teacher will consider himself a student all the time. Only a burning lamp can kindle another lamp. Similarly only a learning teacher will be able to make others learn. The relationship between teachers and students should be one of mutual affection. Close personal contact is therefore very essential.

निर्देश : किसी **एक** खंड का संक्षेपण कीजिए : **(Weightage : 4×1= 4)**

15. किसी भी विषय वस्तु को संक्षिप्त करने की एक विशेष कला होती है और सारलेखन के समय कुछ विशेष नियमों का ध्यान रखना पडता है । सारलेखन का सर्वप्रथम और श्रेष्ठ गुण उसके भावों को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करने में होता है । विषय के विस्तार को सीमित करके, उसमें कहे गये प्रधान भाव को समझाना, संक्षिप्तकार का प्रथम कर्तव्य होता है और उसी भाव को संक्षिप्त रूप से व्यक्त करना ही उसकी कला-शक्ति होती है । हमें ध्यान रखना चाहिए कि अच्छा संक्षिप्त लेख वही कहा जाएगा जिसमें विष्ययगत विचारों का क्रम न टूटा हो ।

16. जापान निवासी कागज़, लकडी और पत्थर की बडी अच्छी मूर्तियाँ बनाते हैं । रो रुपये के हाथ के बने हुए जापानी खिलौने विदेशों में बिकते हैं । हाथ की बनी हुई जापानी चीज़ें मशीन से बनी हुई चीज़ों को मात करती हैं । संसार के सब बाज़ारें में उनकी बडी माँग रहती है । पश्चिमी देशों के लोग ऐसी चीज़ों पर जान देते हैं । एक जापानी तत्त्वज्ञानी का कथन है कि हमारी दस करोड उँगलियाँ सारे काम करती हैं । इन उँगलियों के बल से ही, संभव है, हम जगत को भी जीत लें । स्पष्ट है कि जब तक हाथ की कारीगरी की उन्नति नहीं होती, तब तक भारत की गरीबी दूर नहीं हो सकती ।